भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त परिषद)

भा.वा.अ.शि.प.
वानिकी समाचार

मार्च 2026 वर्ष 18 सं. 03

"वन आधारित सतत जैव अर्थव्यवस्था का उन्नयन: मुद्दे , एवं चुनौतियाँ" पर राष्ट्रीय कार्यशाला

- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में दिनांक 21 से 22 मार्च 2026 तक "वन आधारित सतत जैव अर्थव्यवस्था का उन्नयन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव द्वारा किया गया। कार्यशाला में श्री तन्मय कुमार, भा.व.से., सचिव पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, श्री सुशील कुमार अवस्थी, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. और मंत्रालय, भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, राज्य वन विभाग और उद्योगों के वरिष्ठ अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
"वन आधारित सतत जैव अर्थव्यवस्था का उन्नयनः मुद्दे एवं चुनौतियाँ" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	01
शासक मंडल की 63वीं बैठक	02
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
परामर्शी कार्य	02
कार्यशाला/सेमिनार/बैठक	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	04
जागरुकता एवं प्रदर्शनि कार्यक्रम	08
प्रदर्शनी में प्रतिभागिता	10
मिशन लाईफ	11
प्रकृति कार्यक्रम	12
वन विज्ञान केंद्र/कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियाँ	13
राजभाषा गतिविधियाँ	15
समझौता ज्ञापन	15
विविध	16
मानव संसाधन समाचार	18
प्रकाशन	18

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में "वन–आधारित सतत जैव–अर्थव्यवस्था का उन्नयन" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

शासक मंडल की 63वीं बैठक

- दिनांक 02 मार्च 2026 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में श्री तनमय कुमार, भा.व.सं., सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अध्यक्षता में शासक मंडल की 63वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शासक मंडल के सदस्यों, श्री सुशील कुमार अवस्थी, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, श्रीमती कंचन देवी, भा.वा.अ.शि.प. की महानिदेशक, मंत्रालय एवं भा.वा.अ.शि.प. के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान 'वनों पर जलवायु–प्रेरित प्रभावों के दीर्घकालिक अनुश्रवण हेतु प्रोटोकॉल' और 'तेलंगाना का पारंपरिक ज्ञानः एक नृजातीय वानस्पतिक धरोहर' विषय पर दो प्रकाशन का विमोचन भी किया गया।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में शासक मंडल की 63वीं बैठक तथा "वनों पर जलवायु–प्रेरित प्रभावों के दीर्घकालिक अनुश्रवण हेतु प्रोटोकॉल" और "तेलंगाना का पारंपरिक ज्ञानः एक नृजातीय वानस्पतिक धरोहर" पर प्रकाशन का विमोचन

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प. –काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- हीविया ब्रासिलिएन्सिस को माइक्रोवेव में सुखाने से काष्ठ को तेजी से सुखाने में सहायता की तथा नमी का समान वितरण सुनिश्चित हुआ और सुखाने से उत्पन्न तनाव को भी समाप्त हुआ । हालांकि, इससे सूक्ष्म–संरचनात्मक क्षति के कारण यांत्रिक गुणधर्मों में कमी (≈15–18%) आई। इन संरचनात्मक परिवर्तनों ने काष्ठ की पारगम्यता को बढ़ाया। यह अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि माइक्रोवेव शुष्कन से सुखाने की दक्षता में काफी सुधार होता है।

- सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्योगों द्वारा भारत में निर्मित खोई कण बोर्ड के गुणधर्मों के मूल्यांकन" पर हुए अध्ययन से पता चला कि खोई बोर्ड सूखे, गैर–संरचनात्मक अनुप्रयोगों के लिए स्वीकार्य वंकन क्षमता और सतह गुणवत्ता प्रदान करते हैं। हालांकि, उनमें अधिक परिवर्तन होता है, आम तौर पर आतंरिक बंधन क्षमता कम होती है, सूजन अधिक होती है, और स्क्रू पकड़ने की क्षमता कमज़ोर होती है। कच्चे माल के प्रबंधन, कणों की ज्यामिति, रेज़िन के अनुप्रयोग तथा प्रेसिंग की स्थितियों में भिन्नताएँ एमएसएमई इकाइयों में प्रदर्शन को और प्रभावित करती हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, खोई कण बोर्ड एक सतत विकल्प के रूप में मजबूत संभावनाएं रखते हैं।

परामर्शी कार्य

- जिला कोरबा, छत्तीसगढ़, भारत में स्थित सर्वश्री साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कुसमुंडा ओपनकास्ट कोल माइन प्रोजेक्ट के संदर्भ में 2991.943 हे. के खनन भूमि क्षेत्र में 50 एमटीपीए (मानक)/62-50 एमटीपीए (पीक) उत्पादन क्षमता के लिए पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) अनुपालना हेतु तृतीय–पक्ष पर्यावरण ऑडिट तथा तृतीय–पक्ष वृक्षारोपण ऑडिट प्रदान किया गया।

कार्यशाला/सेमिनार/बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

01	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला और ISARD, नई दिल्ली ने संयुक्त रूप से 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'ICAHFAS–2026: सतत हिमालयी पारितंत्र हेतु कृषि, बागवानी, वानिकी और संबद्ध विज्ञान' का आयोजन किया	18 से 20 मार्च 2026	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला और अन्य संगठन के वैज्ञानिक, अधिकारी, शोधार्थी और शिक्षाविद

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में 13वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्बाभ्श्रौ.2026

02	जन जैव–विविधता रजिस्टरः जैव–विविधता संरक्षण और सतत विकास के लिए एक समुदाय–आधारित दृष्टिकोण	20 मार्च 2026	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिक, अधिकारी, शोधार्थी और शिक्षाविद
भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु			
03	अग्नि–रोधी कण बोर्ड और एमडीएफ पर मसौदा मानक का विकास	24 मार्च 2026	कण बोर्ड और एमडीएफ उद्योग कार्मिकों में से 04 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट			
04	अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक	16 मार्च 2026	संस्थान के वैज्ञानिकों, पीएचडी. शोधार्थियों और कनिष्ठ परियोजना अध्येता एवं राज्य वन विभाग विश्वविद्यालय, किसान आदि सहित 50 प्रतिभागी।
05	"जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के अंतर्गत मृदा कार्बन अनुसंधान में प्रगति और संभावनाएं" विषय पर सेमिनार	30 मार्च 2026	संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, छात्रों और तकनीकी कर्मचारियों सहित 70 प्रतिभागी।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में "जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के अंतर्गत मृदा कार्बन अनुसंधान में प्रगति और संभावनाएं" विषय पर सेमिनार

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

01	आणविक जीवविज्ञान तकनीकें और मूल आनुवंशिक डेटा की व्याख्या	06 मार्च 2026	वन विभाग के कर्मचारी और महिला महाविद्यालय की छात्राओं सहित 20 प्रतिभागी
02	शुष्क क्षेत्र वानिकी और वनीकरण: मृदा स्वास्थ्य, गुणवक रोपण सामग्री और संसाधन उपयोजन	10 मार्च 2026	किसान और वन विभाग के अधिकारी सहित 15 प्रतिभागी

"आणविक जीवविज्ञान तकनीकें और आधारभूत आनुवंशिकी डेटा व्यारव्या" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"शुष्क क्षेत्र वानिकी और वनीकरणरु मृदा स्वास्थ्य, गुणवक रोपण सामग्री और संसाधन उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

03	*फेरोनिया लिमोनिया* के मूल्य संवर्धन और कटाई–पश्चात प्रबंधन पर केंद्रित – आदिवासी समुदायों की क्षमता निर्माण कार्यक्रम	10 से 11 मार्च 2026	वीएफपीएमसी, गोपाला बेडा से 30 प्रतिभागी

फेरोनिया लिमोनिया के मूल्य संवर्धन और कटाई–पश्चात प्रबंधन पर केंद्रित – आदिवासी समुदायों की क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

04	बाँस हस्तशिल्प उपयोगिता और उत्पाद प्रशिक्षण	12 से 21 मार्च 2026	सिपाहीजाला ज़िले से स्वयं सहायता समूह के 24 सदस्य

05	बाँस प्ररोह का प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन	12 से 14 मार्च 2026	जोरहाट, असम के विभिन्न स्थानों से 22 प्रतिभागी।

"बाँस हस्तशिल्प की उपयोगिता और उत्पाद" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"बाँस प्ररोह का प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

06	अल्प लागत वाला कृमिखाद निर्माण प्रशिक्षण	24 से 25 मार्च 2026	पश्चिम त्रिपुरा जिले के बामितिया आरडी ब्लॉक के स्वयं सहायता समूह से 15 सदस्य

"अल्प लागत वाला कृमिखाद निर्माण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

07	वृक्ष–कृषि तकनीकों में हाल के रुझान	02 से 06 मार्च 2026	वन अधिकारी, सहायक वन संरक्षक, वनपाल और बीट गार्ड सहित 31 प्रतिभागी
08	वन नीति, विधि और पर्यावरण कानून	09 से 13 मार्च 2026	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों से 24 वैज्ञानिक

"वृक्ष– कृषि तकनीकों में हाल के रुझान" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"वन नीति, विधि और पर्यावरण कानून" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

09	औषधीय पौधों के संरक्षण और प्रवर्धन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	12 से 14 मार्च 2026	जव्वादु पहाड़ियों के मलयाली आदिवासीयों और किसानों सहित 62 प्रतिभागी
10	वन पौधशालाओं और कृषि–वानिकी में नाशीकीट प्रबंधन हेतु जैव–कीटनाशक (4 प्रशिक्षण)	16,18, 19 और 23 मार्च 2026	कोयंबटूर और धर्मपुरी प्रभाग के वन राजिक अधिकारियों, वन पालों, वन रक्षकों और वन प्रहरियों, तथा रेट्टानाई और मामपट्टू गाँव के किसानों सहित 155 प्रतिभागी

"औषधीय पौधों के संरक्षण और प्रवर्धन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"वन पौधशालाओं और कृषि–वानिकी में नाशीकीट प्रबंधन हेतु जैव–कीटनाशक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

11	बाँस (2 प्रशिक्षण)	17 और 19 मार्च 2026	झारखंड के लोहरदगा और हज़ारीबाग़ से किसान और बांस कारीगरों सहित 121 प्रतिभागी।

"बाँस" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

12	हिमाचल प्रदेश की प्रमुख वृक्षारोपण प्रजातियों के लिए 'धन वृक्ष' चयन, बीज उत्पादन क्षेत्र विकास, और बीज व पौधशाला तकनीकों द्वारा उत्पादकता में वृद्धि।	07 मार्च 2026	हिमाचल प्रदेश वन विभाग और HP-IDP के 30 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी
13	आधुनिक पौधशालाओं की स्थापना और रोपण सामग्री उत्पादन में माइकोराइज़ल जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए क्षमता निर्माण	11 और 17 मार्च 2026	हिमाचल प्रदेश वन विभाग के 50 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी
14	कृषि फसलों और औषधीय पौधों की जैविक खेती	13 मार्च 2026	सांबा, जम्मू–कश्मीर से किसान और महिला मंडल सहित 50 प्रतिभागी।

"आधुनिक पौधशालाओं की स्थापना और रोपण सामग्री उत्पादन में माइकोराइज़ल जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए क्षमता निर्माण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"कृषि फसलों और औषधीय पौधों की जैविक खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु			
15	चंदन की खेती का प्रचार	02 से 06 मार्च 2026	कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्र और केंद्रीय संस्थानों के 17 शिक्षाविद
16	भर्ती, रोस्टर लेखन और सेवाओं में आरक्षण, पदोन्नति और कार्मिकों की नियुक्ति	16 से 18 मार्च 2026	भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर; भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद और भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु से 25 प्रशासनिक कर्मचारी

जागरूकता एवं प्रदर्शनि कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 13 मार्च 2026 को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य वन अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना के 44 वन अनुभाग अधिकारियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- सेरामपुर कॉलेज, हुगली, कोलकाता के विद्यार्थियों ने 12 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें चिलगोज़ा पाइन, कीट प्रबंधन, जैव–उर्वरक, जैव–कीटनाशक और बीज प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी गई।

सेरामपुर कॉलेज, हुगली, कोलकाता के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- फॉरेस्ट रेंजर्स कॉलेज, बालाघाट (मध्यप्रदेश) के 62 प्रतिभागियों ने 14 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, प्रतिभागियों को संस्थान के विभिन्न शोध कार्यों की जानकारी दी गई, और वानिकी विज्ञान व सतत वन प्रबंधन में चल रही परियोजनाओं और पहलों के बारे में बताया गया।

- जेएनकेवीवी, जबलपुर के 40 किसानों ने 23 और 24 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विविध शोध गतिविधियों से अवगत कराया गया, जिसमें सतत वानिकी और कृषि वानिकी प्रथाओं का समर्थन करने के उद्देश्य से चल रही परियोजनाओं और पहलों पर विशेष जोर दिया गया।

जेएनकेवीवी, जबलपुर के किसानों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- झारखंड के 124 किसानों ने 10, 13 और 24 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची की बांसवाटिका, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र और पौधशालाओं का दौरा किया। उन्हें इस यात्रा के दौरान फ्लेमिंगिया प्रजातियों और औषधीय पौधों पर लाख की खेती के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

झारखण्ड के किसानों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

- कर्नाटक के मूडबिद्री स्थित अल्वास कॉलेज, केरल के चेरथला स्थित एस.एन. कॉलेज और केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित श्री नारायण कॉलेज के संकाय सदस्यों सहित 44 विद्यार्थियों ने 12 और 25 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया।

केरल के चेरथला स्थित एस.एन. कॉलेज के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- लाचू मेमोरियल कॉलेज के 120 विद्यार्थियों ने 26 से 27 मार्च 2026 तक भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

लाचू मेमोरियल कॉलेज, जोधपुर के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

- ओडिशा फॉरेस्ट रेंजर्स कॉलेज, अंगुल के 31 वन राजिक अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 23 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर में शीशम के कृंतक के वीएमजी, नीम पत्ती खाद, 'थार शोभा' खेजड़ी के परीक्षण और मॉडल नर्सरी का दौरा किया। उन्हें गुणवक रोपण सामग्री तैयार करने के लिए पौधशाला तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- दिनांक 10 से 16 मार्च 2026 तक, बीएमएस कॉलेज फॉर विमेन, बसावनगुड़ी, बेंगलुरु और महारानी लक्ष्मी अम्मानि कॉलेज फॉर विमेन, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु के संकाय सदस्यों सहित 65 विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र, पौधशाला, काष्ठ संग्रहालय और उन्नत काष्ठकर्म प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

महारानी लक्ष्मी अम्मानि महिला महाविद्यालय, मल्लेश्वरम के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया।

- चंद्रपुर वन अकादमी, महाराष्ट्र से 35 वन राजिक अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 23 मार्च को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु की ज़ाइलैरियम और काष्ठ शरीर रचना प्रयोगशाला का दौरा किया।

चंद्रपुर वन अकादमी, महाराष्ट्र से वन राजिक अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी (उत्तराखंड) के 10 भारतीय प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षुओं ने 17 मार्च 2026 को संस्थान के बांस संग्रहालय, बांस पौधशाला और बांसवाटिका का दौरा किया।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी (उत्तराखंड) के भारतीय प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने 08 से 09 मार्च 2026 तक भाकृअनुप –राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, नामकुम, रांची द्वारा आयोजित "कृषि मेला एवं प्रदर्शनी 2026" में भाग लिया और अपनी तकनीकों व अनुसंधान गतिविधियों को प्रदर्शित किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, नामकुम, रांची में आयोजित "कृषि मेला एवं प्रदर्शनी 2026" में भाग लिया

- भा.वा.अ.शि.प.–आ.वि.कें., अगरतला ने 17 से 18 मार्च 2026 तक कृषि महाविद्यालय त्रिपुरा, अगरतला द्वारा आयोजित 'किसान मेले' में भाग लिया और अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–आ.वि.कें., अगरतला ने त्रिपुरा के कृषि महाविद्यालय में आयोजित "किसान मेले" में भाग लिया

मिशन लाइफ

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 26 मार्च 2026 को कसिगा इंटरनेशनल बोर्डिंग स्कूल के शिक्षकों सहित 66 विद्यार्थियों ने वीवीके, जगतसुख, मनाली का दौरा किया। उन्हें इस दौरे के दौरान एक स्थायी जीवन शैली के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

कासियागा इंटरनेशनल बोर्डिंग स्कूल के विद्यार्थियों ने वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख, मनाली का दौरा किया।

- वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख ने 07 मार्च 2026 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख में "पॉलीबैग में मृदा, रेत और गोबर की खाद भरना, और बीज बुआई की सही विधि" पर जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शिक्षकों सहित 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाने, प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया।

वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख ने "पॉलीबैग में मृदा, रेत और गोबर की खाद भरना, और बीज बुआई की सही विधि" पर जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 18 मार्च 2026 को हैदराबाद के बहादुरपल्ली में सार्वजनिक स्थल पर "जल संरक्षण" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हैदराबाद के बहादुरपल्ली के आस–पास के क्षेत्रों से विद्यार्थियों और लोगों समेत लगभग 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा बहादुरपल्ली, हैदराबाद में सार्वजनिक स्थल पर "जल संरक्षण" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

- दिनांक 20 मार्च 2026 को मिशन लाइफ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नॉर्थ सिटी हाई स्कूल, हैदराबाद के विद्यार्थियों और शिक्षकों सहित 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्हें मिशन लाइफ के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा मिशन लाइफ पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., विशाखापत्तनम ने 03 से 04 मार्च 2026 तक आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें पर्यावरण संवहनीयता के महत्व और परिसर में प्लास्टिक की खपत कम करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया और सागरो और विश्वविद्यालय के मैदान को स्वच्छ रखने में उनकी मुख्य भूमिका के बारे में बताया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., विशाखापत्तनम ने आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 11 मार्च 2026 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामसीन मूंगरा, बालोतरा के शिक्षकों सहित 65 विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के शीशम कृंतक के वीएमजी, नीम की पत्ती की खाद और थार शोभा खेजड़ी परीक्षण का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामसीन मूंगरा, बालोतरा के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 09 मार्च 2026 को राजकीय उच्च विद्यालय, कन्नाह में 'पॉलीबैग भरना और बीज बोना' विषय पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 89 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें वृक्ष प्रजातियों के महत्व और पारिस्थितिक मूल्य के बारे में भी जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा राजकीय उच्च विद्यालय, कन्नाह में "पॉलीबैग भरना और बीज बोना" विषय पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

- दिनांक 10 मार्च 2026 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, ताबो में पौधशाला स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों सहित 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें औषधीय पादपों के महत्व के बारे में भी बताया गया।

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, ताबो में पौधशाला स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- क्लूनी कॉन्वेंट और राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु के शिक्षकों सहित 142 विद्यार्थियों ने 05 और 12 मार्च 2026 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र, पौधशाला, काष्ठ संग्रहालय और उन्नत काष्ठकर्म प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

क्लूनी कॉन्वेंट और राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- दिनांक 10 और 25 मार्च 2026 को बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य वर्धन और बांस संरक्षण तकनीक, बांस का कोयला बनाना, लाख की खेती और कृमि खाद पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय, जोरहाट और असम के चराईदेव जिले के शिक्षकों सहित 124 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य वर्धन और बांस संरक्षण तकनीक, बांस का कोयला बनाना, लाख की खेती और कृमि खाद पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

वन विज्ञान केंद्र/कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियाँ

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 13 मार्च 2026 को तेलंगाना के प्रदर्शन ग्राम में "मशरूम की खेती" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गंगुलुर के लगभग 15 किसानों ने भाग लिया।

तेलंगाना के प्रदर्शन ग्राम में "मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापट्टनम द्वारा दिनांक 13 मार्च 2026 को भुवनेश्वर में "तटीय वन पारितंत्र में पारिस्थितिक अनुश्रवण एवं प्रबंधन हेतु जैव विविधता मूल्यांकन तकनीक" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भुवनेश्वर के 35 वन अधिकारियों ने भाग लिया।

भुवनेश्वर में तटीय वन पारिस्थितिकी तंत्र में पारिस्थितिक अनुश्रवण एवं प्रबंधन हेतु जैव विविधता मूल्यांकन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- दिनांक 05 मार्च 2026 को भा.कृ.अनु.कें.–कृषि विज्ञान केंद्र, हनुमनामट्टी, राणेबेन्नूर तालुक, हावेरी जिला में चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल एवं इसके प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हावेरी जिले के लगभग 100 किसानों ने भाग लिया।

भा.कृ.अनु.कें.–कृषि विज्ञान केंद्र, हनुमनामट्टी, कर्नाटक में "चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल और इसके स्वास्थ्य प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- वन विज्ञान केंद्र, नागालैंड के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश वन प्रशिक्षण संस्थान, रोइंग, अरुणाचल प्रदेश में "वानिकी" विषय पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 19 से 20 मार्च 2026 तक राज्य पर्यावरण एवं वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, दीमापुर में तथा दिनांक 24 से 25 मार्च 2026 तक वन विज्ञान केंद्र, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नागालैंड एवं अरुणाचल प्रदेश के अग्रिम पंक्ति के अधिकारियों तथा गैर–सरकारी संगठनों के सदस्यों सहित कुल 59 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वन विज्ञान केंद्र, अरुणाचल प्रदेश में "वानिकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

राज्य पर्यावरण एवं वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, दीमापुर में "वानिकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केंद्र, आइजॉल द्वारा वन विज्ञान केंद्र, मिजोरम के अंतर्गत दिनांक 05 से 06 मार्च 2026 तक "कृमि खाद एवं मधुमक्खी पालन का परिचय" विषय पर हरित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आइजॉल के बेथलेहम वेंगथलांग क्षेत्र से 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केंद्र, आइजॉल ने "कृमि खाद और मधुमक्खी पालन का परिचय" पर हरित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केंद्र, आइजॉल द्वारा वन विज्ञान केंद्र, मिजोरम के अंतर्गत दिनांक 16 से 20 मार्च 2026 तक "बांस हस्तशिल्प का परिचयः कला एवं व्यापार का प्रशिक्षण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आइजॉल के एडेंथर वेंग क्षेत्र से 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केंद्र, आइजॉल ने "बांस हस्तशिल्प का परिचयः कला और व्यापार सीरवना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

राजभाषा गतिविधियाँ

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा दिनांक 25 मार्च 2026 को "राजभाषा निगरानी पंजिका में उचित प्रविष्टियां एवं अनुवाद उपकरण" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में 'राजभाषा निगरानी पंजिका में उचित प्रविष्टि एवं अनुवाद टूल' पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु द्वारा दिनांक 10 मार्च 2026 को "अनुवाद हेतु सहायक उपकरण एवं तकनीक" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। संस्थान के सभी अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 10 मार्च 2026 को "कंप्यूटर एप्लीकेशन में हिंदी भाषा" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में संस्थान के 25 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची में "कंप्यूटर एप्लीकेशन में हिंदी भाषा" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा दिनांक 20 मार्च 2026 को "हिंदी मासिक प्रतिवेदन तैयार करना" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट, भा.वा.अ.शि.प.–आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला तथा भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं रत्न केंद्र, आइजॉल के हिंदी नोडल अधिकारियों, लिंक अधिकारियों एवं अन्य कर्मचारियों सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में "हिंदी मासिक रिपोर्ट तैयार करने" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा दिनांक 25 मार्च 2026 को "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संस्थान के सभी अधिकारियों ने भाग लिया।

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने दिनांक 26 मार्च 2026 को कॉयर फाइबर को विभिन्न अंतिम उपयोग अनुप्रयोगों के लिए उच्च मूल्य संवर्धित कॉयर कंपोजिट विकसित करने हेतु कॉयर बोर्ड, एलेप्पी, केरल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विविध

- भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, संस्थानों एवं केंद्रों द्वारा दिनांक 21 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.के संस्थानों द्वारा दिनांक 20 मार्च 2026 को विश्व जल दिवस मनाया गया।

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्तिः

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री राम बहादुर मांझी, मुख्य तकनिकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.03.2026
श्री एस.के. राजपूत, मुख्य तकनिकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.03.2026

संप्रत्यवर्तनः

अधिकारी का नाम	दिनांक
मुरली शंकर के., भा.व.से. (एजीएमयूटी:2012) उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	29.03.2026

स्थानांतरणः

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. सुनील वामन भोंड्गे, मुख्य तकनिकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यालय) से उ.व.अ.सं., जबलपुर	19.03.2026

प्रकाशन

शोध पत्रः

- के. सरवनन, एस. धनपाल, डब्ल्यू. ए. अल्होकैल, आर. विजयकुमार, डी. देसाई, एन. किरुथिगा, एन. सेंथिलकुमार, जी. चेल्लादुरई, एल. अर्चना देवी, पी. गोपी एवं एस. मनोजा (2026)। "*ग्लूकोज का बाह्य अनुपूरण मक्का* (ज़िया मेस एल.) में लवणीय तनाव को कम कर सतत वृद्धि को बढ़ावा देता है।" *रशियन जर्नल अहफ प्लांट फिजियोलहजी*, 73 (46): 1–8।

- जी. पुनिथावथी, के. सरवनन, एस. धनपाल, जी. चेल्लादुरई, सी. अप्पुनु, एन. सेंथिलकुमार, एन. किरुथिगा एवं के. अन्बरसु (2026)। आक्रामक खरपतवार स्टैचिटार्फेटा जमाइकेंसिस (एल.) वाहलका मूल्य संवर्धन : सोयाबीन (ग्लाइसिन मैक्स एल.) पर वृद्धि प्रोत्साहक प्रभाव। *रशियन जर्नल अहफ प्लांट फिजियोलहजी*, 73(75): 1–10।

- गांगुली, एस. एवं सेंथिलकुमार, एन. (2026)। भंडारित अनाज कीट नियंत्रण हेतु हिमालयी साइप्रेस(*क्यूप्रेसस टोरुलोसा*) के पिरूल के सगंध तेल के लिए वाहक चयन एवं मात्रा अनुकूलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी रिसर्च*, 11(1), 467–472।

- शर्मा, आर., मिश्रा, के., सेठी, ए.के. एवं कुमार, आर. (2026)। रोपण आधारित *हेविया ब्रासिलिएन्सिस* काष्ठ के माइक्रोवेव सुखाने का सुखाने की गतिकी, भौतिक–यांत्रिक गुणों एवं सूक्ष्म संरचना पर प्रभाव। *आईफॉरेस्ट*, 19: 77–84।

- साहू एस.सी., "प्लाईवुड उद्योग में अपशिष्ट उत्पादन, प्रबंधन और पर्यावरणीय प्रभाव पर व्यापक समीक्षा" *जर्नल ऑफ केमिकल हेल्थ रिस्क्स* वॉल्यूम 16 अंक 2 (2026)

  दुरई एम. वी., रेड्डी जी. एस. (2026) पूर्वी भारत के चंदन की वृद्धि, अंतरूकाष्ठ रंजकता और तेल रसायन में अंतर्जातीय विविधता का पता लगाना; केस स्टडी *वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी* (2026) – 60:45

- कुमार बी., एस., कुमार ए. एम. और नागदेसी पी.के. (2026). कर्नाटक, भारत में एसकोमाइसीटस फंगस ज़ाइलेरिया और डाल्डिनिया (*एसकोमाइकोटा; ज़ाइलारियल्स; ज़ाइलारियासी*) के नए वितरण रिकॉर्ड और वर्गिकीय अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ थ्रेटन्ड टैक्सा* 18(3): 28510–28523।

- उमा, जी.एस., दुर्गा, जी., कट्टेप्पनवर, ए.डी., नलिनी, यू.आर., और शर्मा, एल. (2026). भारत के पश्चिमी घाट के दो अलग–अलग संरक्षित क्षेत्रों में तितली विविधता और सामुदायिक संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ बायोलॉजी एंड नेचर*, 18(1), 357–364।

- मेघना, टी., विपिन, पी., अमित, पी., और रंजना, के. (2026). दून वैली, उत्तराखंड, भारत में *डेंड्रोकैलेमस स्ट्रिक्टस* से जुड़े बैम्बूसिकोलस एंडोफाइटिक फंगी की विविधता। *एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट्री*, 12(1), 207– 223.

- शर्मा, वी., जैन, पी. के., चोयल, पी., दिवटे, पी. आर., वंदना, प्रजापत, आर. के., और सिंह, बी. (2026). आयरन और सल्फर क्रॉस टॉक गेहूं में रूट सिस्टम आर्किटेक्चर, फाइटोसाइडरोफोर्स बायोसिंथेसिस और Fe-PS ट्रांसपोर्टर के रिलीज और एक्सप्रेशन को रेगुलेट करता है। *एग्रीकल्चरल रिसर्च*, 1–12.

प्रकाशित पुस्तक अध्यायः–

- शर्मा, एन., चौहान, पी., तपवाल, ए., ठाकुर, टी.एस., ठाकुर, पी., चौहान, एम. और शर्मा, पी. (2026). बागवानी पौधों में अजैविक तनाव के नियमन में मेलाटोनिन तथा अन्य फाइटोहॉर्मोन के साथ पारस्पीक क्रिया। अल्ताफ एम.ए., कुमार, आर., तिवारी, आर.के. और लाल, एम.के. (एडिटर्स)। बागवानी पौधों में मेलाटोनिन; एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस के लिए एक बहुक्रियाशील अणु। एकेडमिक प्रेस। पेज 245–272।

संरक्षक:
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून
संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य
हिन्दी संस्करण:
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य
सहायक:
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।